D.B.K.N. COLLEGE, NARHAN

SAMASTIPUR (BIHAR) PIN - 848211

(A CONSTITUENT COLLEGE OF L.N. MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA)

Principal

Letter No : .....

Date : .....

आवश्यक सूचना

(चंद्रगुप्त महोत्सव) 18 से 20 अक्टूबर 2024

वि. वि. पत्रांक–5758/S/24 दिनांक–28.09.2024 के आलोक में महाविद्यालय के सभी सम्मानित शिक्षकों/शोधार्थी एवं छात्र–छात्राओं (B.Ed.सहित) को सूचित किया जाता है कि चन्द्रगुप्त साहित्य महोत्सव, जिसका आयोजन कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय एवं ल0ना0मिथिला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18 से 20 अक्टूवर 2024 तक निर्धारित है, में अधिकाधिक संख्या में अपनी शैक्षणिक एवं गुणात्मक प्रतिभागिता सुनिश्चित कर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सूचनीय है कि निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु 100रू के भुगतान से ऑनलाईन पंजीयन एवं निबंध जमा करने (Online) की आखिरी तारीख 10.10.2024 निर्धारित है।

तीनों स्तर का निबंध लेखन शब्द सीमा सहित हिन्दी भाषा में ही स्वीकार होगा। जिसे 1st, 2nd, 3rd रैंकधारी प्रतिभागी को आकर्षक नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र तथा शेष प्रतिभागी को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल महोदय के कर कमलों द्वारा होगा जिसमें सभी प्रतिभागियों को तीनों दिन भोजन सहित रात्री विश्राम की मुफ्त व्यवस्था है।

विशेष जानकरी हेतु संबंधित ब्रोसर का गहन अवलोकन/अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें।

01/10/024
(S.S. DWIVEDI)
P.O.
NSS Unit

1.10.24
प्र0 प्रधानाचार्य

चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव

असतो मा सद्गमय

चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव

চন্দ্রগুপ্ত সাহিত্য মহোৎসব

दिनांक- 18, 19, 20 अक्टूबर 2024

स्थान- कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार

Email: info@chandraguptlitfest.com

सम्पर्क सूत्र- 9955909940, 9934060139, 9931383953, 8521589475

8210097295

भारतीय वांग्मय में मिथिला की ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान है। तीरभुक्ति अथवा तिरहुत के नाम से विख्यात मिथिला के तत्वदर्शी चिंतकों तथा मंत्रद्रष्टा ऋषियों के आख्यान सनातन संस्कृति के आधार स्तंभ माने जाते हैं। कौशिकी तट पर ही महर्षि विश्वामित्र द्वारा गायत्री मंत्र का नाद गुंजायमान हुआ था।

कर्नाट, ओइनवार तथा खंडवाला राजवंश से पोषित मिथिला क्षेत्र आज भी अपने प्राचीन गौरव को आधुनिक ज्ञान, विज्ञान, कला तथा साहित्य में पुष्पित-पल्लवित करता है।

संहिता के रचनाकार याज्ञवल्क्य, नव्यन्याय के प्रणेता वाचस्पति, सनातन धर्मध्वज वाहक उदयन, महामनीषी मंडन प्रभृत विद्यावारिधि मैथिलों के वंश क्रम में विद्यापति समान साहित्य सेवी हुए जिनकी विद्वता से प्रभावित होकर साक्षात शिव ने उगना बनकर मिथिला क्षेत्र में समय व्यतीत किया। आद्य कुम्भ स्थली सिमरिया में स्वयं देवसलिला गंगा ने विद्यापति के लिए अपना मार्ग परिवर्तित कर लिया था। मिथिला के सुदूर प्रतिची कोण में गंगा तथा गंडक के संगम स्थल पर स्वयं हरिहर विराजमान हैं।

मिथिला के पार्श्व में ही अर्थशास्त्र के रचयिता चाणक्य तथा सम्राट चंद्रगुप्त हुए जिन्होंने संपूर्ण भारतवर्ष के सांस्कृतिक एकीकरण के लिए सार्थक प्रयास किया। इसी पार्श्व भाग में स्थित नालंदा तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय अवस्थित थे जिनके पठन-पाठन का प्रभाव वैश्विक था।

इन्हीं सब प्रकल्पों को ध्यान में रखते हुए मिथिला की हृदयस्थली दरभंगा में चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव का आयोजन **कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से कार्तिक कृष्ण तृतीया तदनुसार 18 से 20 अक्टूबर 2024** को किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के लब्धप्रतिष्ठित चिंतक, विचारक तथा साहित्यकार विभिन्न सत्रों में स्व का जागरण विषय पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मिथिला की धरती पर अतीत तथा वर्तमान के आलोक में वाग्देवी के वंशजों द्वारा समन्वय की वह वैचारिकी स्थापित की जाएगी जो भारत के राष्ट्रत्व धार में आज भी उसी प्रकार प्रवाहित हो रही है जैसा आसेतु-हिमाचल भूभाग में स्वरविद तथा भद्रेच्छु ऋषियों द्वारा स्थापित किया गया था।

ऐसे ज्ञान कुंभ में आपका सहृदय स्वागत है।

दिनांक -18.10.2024

उद्घाटन सत्र (10 बजे से 01 बजे तक)

श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर-माननीय राज्यपाल, बिहार
श्री कुमार कपिलेश्वर सिंह-स्वागत समिति अध्यक्ष, चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव
श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता-संयोजक, चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव
श्री मोहन सिंह-क्षेत्र कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ
श्रीमती कुमुद शर्मा-उपाध्यक्ष, साहित्य अकादेमी

प्रथम सत्र (02:30 बजे से 04 बजे तक)

1. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष: स्व के जागरण का प्रतिफल
2. भारतीय संस्कृति: वैश्विक समस्याओं का समाधान
3. आर्थिक चिंतन का भारतीय दृष्टिकोण

द्वितीय सत्र (04:30 बजे से 06 बजे तक)

1. व्यक्तित्व से मिलिए

तृतीय सत्र (07 बजे से 10 बजे तक)

सांस्कृतिक कार्यक्रम- लोक नृत्य एवं गायन

दिनांक -19.10.2024

प्रथम सत्र (09:15 बजे से 10:45 बजे तक)

1. समावेशी विकास और पर्यावरण संरक्षण
2. साहित्य-पत्रकारिता में भारतीय चिंतन
3. लोक साहित्य, कला, संस्कृति में एकात्म बोध

द्वितीय सत्र (11 बजे से 12:30 बजे तक)

1. भारतीय साहित्य में सामाजिक समरसता

तृतीय सत्र (02:30 बजे से 04 बजे तक)

1. भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति जागरण

चतुर्थ सत्र (04:15 बजे से 05:45 बजे तक)

1. भारतीय सिनेमा और स्व का जागरण

पंचम सत्र (06:30 बजे से 09:30 बजे तक)

1. कवि सम्मेलन

दिनांक -20.10.2024

प्रथम सत्र (09 बजे से 10:30 बजे तक)

1. अध्यात्म की वैज्ञानिकता
2. भारतीय साहित्य में नागरिक कर्तव्यबोध
3. मिथिला की ज्ञान परंपरा

समापन सत्र (11 बजे से विराम होने तक)

स्वागत समितिः-

1. युवराज कपिलेश्वर सिंह- अध्यक्ष, स्वागत समिति
2. प्रो . (डॉ.) राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता- संयोजक, चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव
3. प्रो . (डॉ.) लक्ष्मी निवास पांडेय- कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय
4. प्रो . (डॉ.) संजय कुमार चौधरी - कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
   कुलपति, मुंगेर विश्वविद्यालय
5. प्रो . (डॉ.) श्री दिनेश चंद्र राय- कुलपति, बी आर ए विश्वविद्यालय
6. प्रो . (डॉ.) श्री राजेश प्रसाद-कुलपति, नव नालंदा महाविहार
7. प्रो . (डॉ.) श्री आर.के.सिंह-कुलपति, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय
8. प्रो . (डॉ.) श्री अभय कुमार-कुलपति, नालंदा अन्तराष्ट्रीय
9. प्रो . (डॉ.) श्री एस.पी.शाही-कुलपति, मगध विश्वविद्यालय
10. प्रो . (डॉ.) श्री दुनिया राम सिंह-कुलपति, बिहार कृषि विश्वविद्यालय
11. प्रो . (डॉ.) श्री पी.एस. पाण्डेय-कुलपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
12. प्रो . (डॉ.) श्री के.एन.सिंह-कुलपति, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय
13. प्रो . (डॉ.) श्री प्रमेन्द्र कुमार वाजपेयी-कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय
14. प्रो . (डॉ.) श्री संजय श्रीवास्तव-कुलपति, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
15. प्रो . (डॉ.) श्री अजय कुमार सिंह-कुलपति, पटना विश्वविद्यालय
16. प्रो . (डॉ.) श्री जवाहर लाल-कुलपति, तिलका मांझी विश्वविद्यालय
17. प्रो . (डॉ.) श्री टी.एन.सिंह-निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना
18. प्रो . (डॉ.) श्री पी.के.जैन-निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना
19. प्रो . (डॉ.) श्री संजय राय- कुलपति, नालंदा खुला विश्वविद्यालय
20. डॉ. श्री संदीप झा- अध्यक्ष, संदीप फाउंडेशन

आयोजन समितिः-

1. श्री रंगनाथ ठाकुर- सचिव, मिथिला अध्ययन केंद्र
2. श्री राजेश झा-सह संयोजक, चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव
3. श्री सनोज नायक- सदस्य, मिथिला अध्ययन केंद्र
4. श्री सौरभ सुरेका- अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच
5. श्री अविनाश कुमार- व्याख्याता, महात्मा गांधी महाविद्यालय
6. श्री प्रेम मोहन मिश्रा- निदेशक, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान
7. श्री उमेश झा- भू संपदा पदाधिकारी, संस्कृत विश्वविद्यालय
8. श्री विकाश कुमार- व्याख्याता सह विकास पदाधिकारी, मिथिला विश्वविद्यालय
9. श्री कृष्णा नंद मिश्र- व्याख्याता सह विधि अधिकारी, संस्कृत विश्वविद्यालय
10. श्री संदीप तिवारी- प्रधानाचार्य, दरभंगा अभियांत्रिकी महाविद्यालय
11. श्री सोनू राम शंकर- व्याख्याता, मिथिला विश्वविद्यालय
12. श्री संजीव कुमार- प्रबंधन विशेषज्ञ
13. श्री विशाल गौरव- निदेशक, दरभंगा पब्लिक स्कूल
14. श्री राहुल मिश्रा- निदेशक, पब्लिक स्कूल
15. श्री ज्ञानेश पाठक- निदेशक, प्रियदर्शिनी नर्सिंग संस्थान
16. श्री अमृत झा-व्याख्याता, मिथिला विश्वविद्यालय
17. श्री अवनीश कुमार-व्याख्याता, मिथिला विश्वविद्यालय
18. श्री उत्सव पाराशर- शोधकर्ता, मिथिला विश्वविद्यालय
19. श्री वागीश झा- शोधकर्ता, मिथिला विश्वविद्यालय
20. श्री राघव आचार्य- शोधकर्ता, मिथिला विश्वविद्यालय
21. श्री सनी वाधवानी-सदस्य, मारवाड़ी युवा मंच
22. श्री धीरज बंसल-सदस्य, मारवाड़ी युवा मंच
23. श्री दीपक झा--प्रकाशक, मैथिली दर्पण

चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव

चन्द्रगुप्त साहित्य महोत्सव

दिनांक- 18, 19, 20 अक्टूबर 2024

निबंध प्रतियोगिता के नियम

1. चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव के निमित्त तीन स्तरों पर निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

अ.	मैट्रिक और इंटरमीडिएट कक्षा	प्रेरक लोक कथाएँ	शब्द सीमा	1500 शब्द कम से कम	प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार राशि	क्रमशः 11, 7 और 5 हजार रुपए मात्र तथा प्रमाण पत्र
ब.	स्नातक और परास्नातक कक्षा	2047, भविष्य के भारत की संकल्पना।	शब्द सीमा	2000 शब्द कम से कम	प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार राशि	क्रमशः 15, 11 और 7 हजार रुपए मात्र तथा प्रमाण पत्र
स.	प्राध्यापक एवं शोधकर्ता	भारतीय साहित्य में स्व का पुनर्जागरण।	शब्द सीमा	3000 शब्द कम से कम	प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार राशि	क्रमशः 21, 15 और 11 हजार रुपए मात्र तथा प्रमाण पत्र

2. निबंध प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 100 रूपए का भुगतान कर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है और तीनों दिन अनिवार्य रूप से महोत्सव में सम्मिलित होना होगा।
3. तीनों स्तरों के निबंध 10 अक्टुबर, 2024 तक ऑनलाईन जमा करना होगा।
4. बिहार के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी ही इस प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकेंगे।
5. विभिन्न स्तर की प्रतियोगिता के लिए संस्था द्वारा निर्धारित निर्णायक मंडल का निर्णय ही अंतिम और मान्य होगा।
6. निबंध हिन्दी भाषा में ही स्वीकार किए जाएंगे।

ऑनलाइन पंजीयन एवम निबंध जमा करने हेतु: https://www.chandraguptlitfest.com/

8210097295

सम्पर्क सूत्र- 9955909940, 9934060139, 9931383953, 8521589475, 8709031445

आयोजन स्थल- कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार